फूल सिंह बिष्ट राजकीय महाविद्यालय नौघर लंबगांव, टिहरी गढ़वाल

लैंगिक संवेदनशीलता रिपोर्ट

फूल सिंह बिष्ट राजकीय महाविद्यालय लमगांव टिहरी गढ़वाल पहाड़ के दूरस्थ क्षेत्र में स्थित है। हिमालय जीवन के बारे में क्या कहा जाता है, हिमालय के जीवन को महिलाएं ही संचालित करती हैं। एक समय में देश दुनिया की सामाजिक संरचना में काफी परिवर्तन आए हैं। लैंगिक संवेदनशीलता वर्तमान समय की महत्वपूर्ण अवधारणा है। फूल सिंह बिष्ट राजकीय महाविद्यालय इस दृष्टि से एक महत्वपूर्ण संस्थान है कि यहां अध्ययन करने वाले अधिकतम छात्र महिला वर्ग से हैं। महाविद्यालय का ध्येय सूत्र वाक्य रहा है

बालिकाओं/दल में कार्यरत महिलाओं के लिए संस्थान में समानता और संवेदनशीलता सुरक्षा का परिवेश रहे। दिशा में महाविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों की श्रंखला संचालित की है। महाविद्यालय में महिला सुरक्षा एवं सहज परिवेश की निर्मिती को लेकर आंतरिक ऑडिट की व्यवस्था है। दूरस्थ क्षेत्र में स्थित होने के कारण जेंडर ऑडिट करने वाली किसी संस्था से ऑडिट कराना भौगोलिक दृष्टि से कठिन प्रक्रिया है। लेकिन महाविद्यालय की जेंडर ऑडिट को लेकर एक नव्य पहल है कि स्थानीय समुदाय / स्थानीय महिला वर्ग जो संस्थान में पढ़ने वाले संस्थागत छात्र बालिका वर्ग अभिभावक अथवा उनसे संबद्ध है, उनसे एक सामान्य प्रतिपुष्टि प्रक्रिया को अपनाया जाता है। पी टी.ए एवं अन्य माध्यमों से महाविद्यालय के आंतरिक परिवेश को लेकर उनसे आख्या ली जाती है। संस्थान का यह मानना रहा है स्त्री और स्त्री जीवन के प्रति संवेदनशीलता किसी भी सभ्य समाज के लिए बिंदु और लक्ष्य होना चाहिए. संस्थान अपनी संपूर्ण प्रक्रिया में एक लक्ष्य रखता है कि संस्थान तभी विकास कर सकता है। जब महिला वर्ग से संबद्ध छात्रा अथवा महाविद्यालय में कार्यरत महिला कर्मचारी संस्थान में कार्य करते हुए सहज अनुभव करें और ऊर्जावान ,समतामूलक, दायरे में काम कर सके।

विवेच्य वर्ष की लैंगिक आधार पर आख्या

- सत्र 2017-18

  छात्र :39

  छात्रा:261

  कुल योग 300

- सत्र 2018-19

  छात्र34

  छात्रा:332

  कुल योग:366

- सत्र 2019-20

  छात्र 34

  छात्रा 334

  कुल योग 368

  सत्र2020-2021

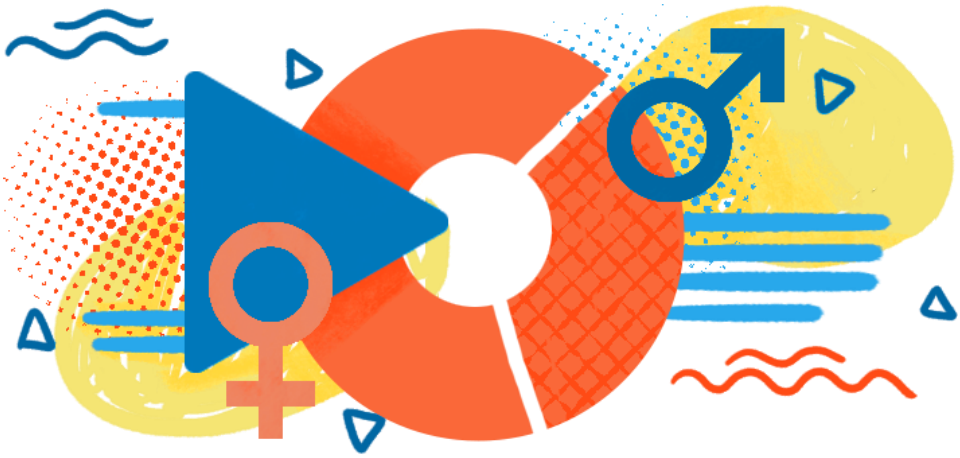

कुल योग 324

सत्र:2021-22

छात्र 77

छात्रा 306

कुल योग 383

महविद्यालय के लैंगिक आंकड़े विश्लेषण: विभिन्न सत्रों की छात्र संख्या का विश्लेषण कर हम पाते हैं कि संस्थान में स्थापना से लेकर वर्तमान तक बालिकाओं की संख्या अधिक रही है। यह शिक्षा की दृष्टि से सकारात्मक संकेत है कि महिलाएं जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज कर रही है। संस्थान शिक्षण एवं अन्य गतिविधियों के माध्यम से उन्हें एक व्यापक स्पेस उपलब्ध करा रहा है। यह लैंगिक संवेदनशीलता की दृष्टि से महत्वपूर्ण बिंदु है।

महाविद्यालय में कार्यरत कर्मचारियों का जेंडर आधारित आंकड़े:

महाविद्यालय में अपनी स्थापना के पश्चात जहां पुरुषों की संख्या ज्यादा थी और स्त्री उपस्थिति कम थी, आधुनिक समय के साथ बदलती चली गई और महिला उपस्थिति अपेक्षाकृत बढ़ती चली गई । महिला उपस्थिति का बढ़ना एक सकारात्मक संदेश है, नियुक्ति आदि प्रक्रिया एक शासन निर्देशित प्रक्रिया है महिला कर्मचारियों की संख्या बढ़ाना संस्थान के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। लेकिन सरकार एवं वर्तमान परिदृश्य यह शुभ संकेत है कि महिला कर्मचारियों की संख्या सत्र वार और आंकड़े वार बढ़ी है। महिला प्राध्यापक एवं कर्मचारियों के आने से -छात्राओं के बीच संवाद की निर्मिती हुई है और छात्राओं को बेहतर परिवेश मिल सका है। आंतरिक ऑडिट की प्रक्रिया है, महिला प्राध्यापकों के माध्यम से भी एक फीडबैक आंतरिक परिवेश का संस्थान को प्राप्त होता रहा है।

कॉलेज स्टाफ लैंगिक संवेदनशीलता के आधार पर स्थिति :

महाविद्यालय की स्थापना से ही महिला कर्मचारियों स्टाफ को भीतर परिवेश उपलब्ध कराने के दृष्टिगत महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ का गठन रहा है। संस्थान द्वारा महिला स्टाफ को केंद्र में रखकर गोष्ठी एवं कार्यशाला का आयोजन होता रहा है। वर्तमान समय महिलाओं के सशक्तिकरण और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में उनकी रचनात्मक उपस्थिति का समय है, इस बिंदु को आधार बनाकर स्थानिक आधार पर संस्थान जेंडर ऑडिट कराता रहा है, अभिभावक एवम स्थानीय समुदाय समुदाय का फीडबैक इसका बड़ा आधार है। महाविद्यालय को पी.टी.ए एवं स्थानिक आधार पर महाविद्यालय के परिवेश को स्त्री सापेक्ष बनाने के लिए फीडबैक के माध्यम से स्वयं के आकलन करने का अवसर मिलता है .

5. महाविद्यालय को विगत 5 वर्षों में प्राप्त हुई ग्रीवेंस की स्थिति:

सत्र :2017-2018	शून्य		
सत्र 2018-19	शून्य		
सत्र 2019 ·2020	शून्य		

सत्र 2020-21	शून्य	
सत्र 2021-22	शून्य	

महिला प्रकोष्ठ द्वारा लैंगिक संवेदनशीलता को लेकर किए गए कार्यक्रम विवरण एवं आख्या:

सत्र 2017 - 2018	कार्यक्रम विवरण • दिनांक 9-8-2017को महिला सुरक्षा संबंधी कार्यक्रम का आयोजन • दिनांक 8-3-2018 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन हुआ.	कार्यक्रम का प्रभाव • महिला प्रकोष्ठ द्वारा लैंगिक संवेदनशीलता पर किए गए कार्यक्रम का सकारात्मक प्रभाव यह हुआ छात्राओं में आत्मविश्वास में वृद्धि हुई. • अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अंतर्गत कार्य क्रम में छात्र-छात्राओं ने जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में स्त्री उपस्थिति का अनुभव किया

सत्र : 2018_19	दिनांक 8-3-2018 अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन हुआ। दिनांक7.8.2018 लैंगिक संवेदनशीलता समानता पर भाषण प्रतियोगिता	छात्राओं ने एक संवेदनशील मनुष्य के रूप में जीवन की महत्ता को रेखांकित किया।
सत्र: 2019-20	दिनांक 8-3:-2019 अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस घरेलू कामकाज और महिलाएं	घरेलू कामकाज और महिलाएं विषयक व्याख्यान से घरेलू स्तर पर महिलाओं के घरेलू श्रम को रेखांकित किया गया और उसकी महत्ता को विश्लेषित किया गया

सत्र: 2020 -2021	दिनांक 7.3.2020 महिला जीवन केंद्रित मुद्दों पर विचार गोष्ठी	
2021 -22	महिला सुरक्षा संबंधी मुद्दे केंद्रित एक कार्यशाला का आयोजन।	

विभिन्न समूह एवं संस्थानों से लिया गया प्रतिपुष्टि का मॉडल।

फूल सिंह बिष्ट राजकीय महाविद्यालय दुर्गम में स्थित है। ऐसे में स्थानीय समुदाय/हॉस्पिटल/थाना आदि से आकलन करना एक महत्वपूर्ण भूमिका हो जाती है।

संस्थान द्वारा यादृच्छिक तरीके से लोगों की राय ली गई और राय को विश्लेषण किया गया।

निष्कर्ष: विभिन्न लोगों की राय के आधार पर या आकलन अथवा निष्कर्ष निकला कि संस्था छात्राओं और महिलाओं के लिए एक सहयोगात्मक और संवेदनशील दृष्टि रखती है।

Dr. Satendra Kumar Pandey
Co-ordinator, NAAC/IQAC
P.S.B. Rajkiya Mahavidyalaya
Naughar, Lambgaon

प्राचार्य
फूल सिंह बिष्ट
राजकीय महाविद्यालय
लम्बगांव, टिहरी गढ़वाल